an>

Title: Need to construct embankments on the bank of river Ganga in Chandauli Parliamentary Constituency.

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) : माननीय अध्यक्ष जी, मेरे संसदीय क्षेत्र चन्दौली में बनारस और चन्दौली के बीच जो गंगा के किनारे गोमती नदी है, जिसे आदिगंगा कहा जाता है, वहां के संगम तट पर बहुत ही प्रसिद्ध भगवान मार्कंडेय महादेव जी का एक पौराणिक मंदिर है। हमारे पुराणों में अश्वत्थामा, बलि, व्यास, हनुमान और विभीषण इत्यादि महापुरुषों को जीवित माना जाता है, उसी क्रम में जो मार्कण्डेय ऋषि का यह उनकी स्मृति में मंदिर है। वहां पर लाखों लोग स्नान करते हैं लेकिन गंगा का घाट नहीं है। गंगा पर घाट के लिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं। साथ ही वाराणसी और आगे चन्दौली में गंगा के जो कटान हैं, बहुत जगहों पर कटान हो रहा है। चंदौली जिले के गंगा तटवर्तीय गांव क्रमशः कुंडा जो एकदम गंगा में विलीन होने के कगार पर है, उसका और उसके आगे महरोहरा, कांवर, पकड़ी, मढ़वारी, बिशुनपुर, सरायबलवा (पश्चिम वाहिनी), तीरगांव, सेहेपुर, हिंगुतरगढ़ (बुढ़ेपर), रामपुर, नरौली अमादपुर, कंवलपुरा, प्रहलादपुर, गुरैनी नदहां पम्प के पास, जिगना, मढ़ुजी, दियाबसाटा ये सब गंगा कटान से प्रभावित हैं। वहीं वाराणसी जनपद के अन्तर्गत गौरी कलां के मौनी बाबा की एक कुटी है, वह भी गंगा में विलीन होने के कगार पर है। वहां सरायमोहना, तांतेपुर, रमचंदीपुर, गुबरहां, मौकलपुर, छितौना, रामपुर ढाब, कुचकुढाहं, देवरिया, सरसौल, परनापुर, चंद्रावती का एक जैन मंदिर बड़ा प्रसिद्ध है, वह भी गंगा गटान से प्रभावित है। यह चंद्रपुरी तीर्थ जैनों का तीर्थ स्थान माना जाता है। उनमें और आगे गाजीपुर में सिमरा में यह गंगाकटान से प्रभावित है। मैं आपके माध्यम से बाढ़ सुरक्षा तथा गंगा संबंधित मंत्रालय दोनों से मांग करता हूं कि यहां पत्थरों के जालीयुक्त बोल्डरों की ठोकर/दीवार बनाकर तथा आवश्यक रिटेनिंग वॉल बनाकर जनजीवन, भूमि और गांव की सुरक्षा की जाए।